

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा, समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या-81

दिनांक: शुक्रवार, 23 अक्टूबर, 2026



विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 32.6 एवं 19.0 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 91 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 59 प्रतिशत, हवा की औसत गति 5.3 कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 3.5 मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 9.3 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से 10 मि० गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 25.8 एवं दोपहर में 35.3 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि मौसम शुष्क रहा है।

**मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(24-28 अक्टूबर, 2026)**

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 24 से 28 अक्टूबर, 2026 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार:-

- पूर्वानुमान अवधि में उत्तर बिहार में मौसम मुख्यतः शुष्क एवं आकाश साफ रहने की संभावना है। समस्तीपुर एवं बेगुसराय जिलों में 27 से 28 अक्टूबर को हल्के से मध्यम बादल देखे जा सकते हैं। कम दबाव के क्षेत्र के प्रभाव से 28 अक्टूबर के बाद इस क्षेत्र में हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना बन सकती है।
- अधिकतम तापमान 29-35°C तथा न्यूनतम तापमान 18-23°C रहने की संभावना है।
- इस दौरान सुबह की सापेक्ष आर्द्रता 70-85% और दोपहर में 33-40% रह सकती है।
- पूर्वानुमान अवधि के दौरान हवा पूर्वी एवं उत्तर-पूर्वी दिशा से 4-70 किमी प्रति घंटा की गति से चलने की संभावना है।

समसामयिक सुझाव

- सरसों: सरसों की बुआई जल्द से जल्द पुरा करें। उपयुक्त किस्में राजेंद्र सरसों-1, पी.एम.-27, पी.एम.-28, नवगोल्ड, एन.आर.सी.डी.आर.-2, एन.आर.सी.वाई.एस. 05-02, एन.आर.सी.डी.आर.-601 एवं एन.आर.सी.एच.बी. 5-6 हैं। बीज दर 5 किग्रा प्रति हेक्टेयर तथा दूरी 30×10 सेमी रखें। बुआई से पहले बीजों को कार्बेन्डाजिम 2 ग्राम प्रति किग्रा बीज से उपचारित करें। बुआई से 20-30 दिन पहले 100 किग्रा कम्पोस्ट खाद प्रति हेक्टेयर डालना लाभदायक है। प्रति हेक्टेयर 60 किग्रा नाइट्रोजन, 40 किग्रा फॉस्फोरस एवं 40 किग्रा पोटाश दें। नाइट्रोजन की आधी तथा फॉस्फोरस एवं पोटाश की पूरी मात्रा बुआई के समय और शेष नाइट्रोजन फूल आने पर उपरिवेशन के रूप में दें। तेल की मात्रा बढ़ाने के लिए गंधकयुक्त उर्वरक तथा जिंक की कमी वाली मिट्टी में 25 किग्रा प्रति हेक्टेयर जिंक सल्फेट का प्रयोग करें।
- राजमा: राजमा की बुआई शुरू करें। उपयुक्त किस्में उदय (पी.डी.आर.-14), अम्बर (आई.आई.पी.आर. 96-4) एवं उत्कर्ष (आई.पी.आर. 98-5) हैं। बुआई के लिए 30×10 सेमी की दूरी रखें तथा बीजों को कार्बेन्डाजिम 2 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। प्रति हेक्टेयर 100 किलोग्राम नत्रजन, 50 किलोग्राम स्फुर, 30 किलोग्राम पोटाश एवं 20 किलोग्राम गंधक का प्रयोग करें। बुआई के समय आधी नत्रजन तथा स्फुर, पोटाश एवं गंधक की पूरी मात्रा दें। शेष नत्रजन को दो बराबर भागों में पहली एवं दूसरी सिंचाई के बाद प्रयोग करें। भूमि में जिंक की कमी होने पर बुआई के समय 25 किलोग्राम जिंक सल्फेट प्रति हेक्टेयर का प्रयोग करें।
- मटर (दलहनी फसल): वर्तमान समय में मटर की बुआई करें। उपयुक्त किस्में रचना, मालवीय मटर-15, अपर्णा, हरभजन, जी.डी.आर.-23 (पूसा प्रभाते), काशी प्रिया, वी.एल.-42, अर्का प्रिया एवं शांतिवादा मटर-1 हैं। बीज जनित रोगों से बचाव के लिए बुआई से 2-3 दिन पहले बीजों को थिरम 3 ग्राम प्रति किलोग्राम, कार्बेन्डाजिम 2.5 ग्राम प्रति किलोग्राम अथवा थिरम 2 ग्राम एवं कार्बेन्डाजिम 1 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। बुआई से ठीक पहले 5 पैकेट प्रति हेक्टेयर की दर से राइजोबियम कल्चर से उपचारित करें। बीज दर 75-80 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रखें तथा सामान्य किस्मों के लिए 30×10 सेमी और हरभजन एवं पूसा प्रभाते के लिए 20×5 सेमी की दूरी रखें। प्रति हेक्टेयर 20 किलोग्राम नाइट्रोजन, 45 किलोग्राम फास्फोरस, 20 किलोग्राम पोटाश एवं 20 किलोग्राम सल्फर का प्रयोग करें।
- धनिया: धनिया की बुआई करें। उपयुक्त किस्में राजेंद्र स्वाति, पंत हरितिमा, कुमारगंज सिलेक्शन, राजेंद्र धनिया-1, राजेंद्र धनिया-2 एवं हिसार आनंद हैं। पंक्ति में बुआई के लिए 18-20 किलोग्राम तथा छिटकवां विधि के लिए 25 किलोग्राम बीज हेक्टेयर प्रयोग करें। 30 सेमी एवं 20 सेमी की दूरी रखें। बुआई से पहले प्रति हेक्टेयर 10-15 टन गोबर की खाद, 30 किलोग्राम नाइट्रोजन, 40 किलोग्राम फास्फोरस एवं 30 किलोग्राम पोटाश डालें। बीजों को कार्बेन्डाजिम 2.5 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। बेहतर अंकुरण के लिए बुआई से पहले बीजों को दोनों हथेलियों के बीच हल्के से रगड़कर दो भागों में अलग कर लें।
- मूली: मूली की बुआई करें। उपयुक्त किस्में काशी हंस, काशी लोहित, जौनपुरी जायंट, पालम हृदय, काशी श्वेता, पंजाब अगेती, स्कारलेट लॉन्ग, पूसा चेतकी, पूसा देसी, पूसा हिमानी, पूसा रश्मि, जापानी व्हाइट, जौनपुरी, व्हाइट आइसीकल, पंजाब सफेद, चाइनीज पिक, हिसार मूली नं. 1 एवं अर्का निशांत हैं। बीज दर 7-8 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रखें तथा 30 सेमी एवं 10 सेमी की दूरी रखें। अच्छी वृद्धि एवं जड़ों के विकास के लिए प्रति हेक्टेयर 150-200 किग्रा अचछी तरह सड़ी कम्पोस्ट खाद, 60 किलोग्राम नाइट्रोजन, 40 किलोग्राम फास्फोरस एवं 40 किलोग्राम पोटाश का प्रयोग करें।
- ब्रोकली: वर्तमान मौसम ब्रोकली की बुआई के लिए अनुकूल है। उत्तर बिहार के लिए उपयुक्त किस्में पूसा के.टी.एस.-1, पालम समृद्धि, पालम विचित्रा, पालम कंचन एवं पंजाब ब्रोकली-1 हैं। बीज दर 350-500 ग्राम प्रति हेक्टेयर रखें तथा कतार से कतार एवं पौधे से पौधे की दूरी 45×45 सेमी रखें। अच्छी उपज के लिए प्रति हेक्टेयर 20 टन गोबर की खाद, 100 किलोग्राम नाइट्रोजन, 75 किलोग्राम फास्फोरस एवं 50 किलोग्राम पोटाश का प्रयोग करें।

आज का अधिकतम तापमान: 31.4 डिग्री सेल्सियस,
जो सामान्य से 0.4 डिग्री सेल्सियस अधिक

आज का न्यूनतम तापमान: 18.1 डिग्री सेल्सियस,
सामान्य से 3.1 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ० ए. सत्तार)

वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी